मुक्त चिंतन News Letter

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

01 जनवरी, 2019

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

नववर्ष के अवसर पर माननीय कुलपति जी ने विश्वविद्यालय परिवार को दी शुभकामनाएं

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के मा0 कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने विश्वविद्यालय परिवार को नववर्ष की शुभकामनाए दी। विश्वविद्यालय परिवार ने आज कुलपति कामेश्वर नाथ सिंह को नववर्ष की बधाई देते हुये कहा कि उनके नेतृत्व में मुक्त विश्वविद्यालय ने पिछले वर्षो में अभूतपूर्व उपलब्धि अर्जित की। प्रो0 सिंह ने कहा कि अभी बहुत कुछ करना शेष है। विश्वविद्यालय परिवार ने शुभकामना देते हुए विश्वविद्यालय के विकास में मा0 कुलपति जो के योगदान की सराहना की।

माननीय कुलपति जी को नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए मानविकी विद्याशाखा के निदेशक, शिक्षक एवं कर्मचारीगण।

माननीय कुलपति जी को नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए मानविकी विद्याशाखा के पुस्तकालयाध्यक्ष, सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष, एवं प्रशासन विभाग के कर्मचारीगण।

माननीय कुलपति जी को नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए समाज विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक, शिक्षक एवं कर्मचारीगण तथा स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक एवं शिक्षक।

माननीय कुलपति जी को नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए परीक्षा नियंत्राक एवं कर्मचारीगण ।

माननीय कुलपति जी को नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए काउन्सिलिंग सेल के प्रभारी एवं कर्मचारीगण ।

परीक्षा विभाग के कर्मचारियों से वार्ता करते हुए माननीय कुलपति जी

मुक्त चिंतन News Letter

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

02 एवं 03 जनवरी, 2019

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

प्रदेश के विभिन्न परीक्षा केन्द्रों पर योग की परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

मुलतानीमल मोदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मोदीनगर, गाजीयाबाद (परीक्षा केन्द्र '.053) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

श्री महावीर प्रसाद महिला महाविद्यालय, लखनऊ (परीक्षा केन्द्र '.263) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

राम स्वरूप ग्राम उद्योग स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कानपुर देहात (परीक्षा केन्द्र '.223) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

राजर्षि टंडन मुक्त विवि से अब योग में होगा परास्नातक

अनीश शुक्ल ● प्रयागराज

क्या आप योग के क्षेत्र में करियर बनाने की सोच रहे हैं तो फिर यह खबर आपके लिए ही है। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय नए साल में योग के साथ ही उर्दू में भी परास्नातक की शिक्षा देने जा रहा है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने इन दोनों विषयों के लिए मान्यता दे दी है। जुलाई सत्र से इन विषयों में परास्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश लिया जा सकेगा।

स्कूल ऑफ हेल्थ साइंसेज की पाठ्यक्रम समिति ने योग में परास्नातक का जो पाठ्यक्रम तैयार किया था, उसे पिछले दिनों एकेडमिक काउंसिल की मंजूरी मिल गई थी। इसके बाद

यूजीसी से मंजूरी

कार्यपरिषद में मुहर लगने के बाद प्रस्ताव को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग में भेजा था। वहां डिस्टेंस एजुकेशन ब्यूरो ने सम्यक परीक्षण के बाद दोनों पाठ्यक्रमों को संचालित करने की मंजूरी दे दी।

नेट-जेआरएफ की सुविधा : मुक्त विवि के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने योग में नेट और पीएचडी को भी शामिल कर लिया है। यूजीसी-नेट को ध्यान में रखकर हम एमए का पाठ्यक्रम तैयार करा रहे हैं। इससे यूजीसी-नेट की तैयारी में विद्यार्थी को मदद मिलेगी। हमारा प्रयास विद्यार्थियों को थियरी के साथ ही प्रायोगिक पर भी प्रशिक्षित करना है।

ऐसे मिलेगा प्रवेश : एमए योग में वही प्रवेश ले सकेगा जिसका बीए में एक विषय के रूप में योग रहा हो या उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय से योग में पीजी डिप्लोमा किया हो। योग में पीजी डिप्लोमा करने वाले को लेटरल एंट्री के माध्यम से सीधे एम द्वितीय वर्ष में प्रवेश दिया जाएगा। विश्वविद्यालय ने वर्ष 2018 में कई नए कोर्स शुरू किए गए थे।

योग में पीजी डिप्लोमा में हैं 18 हजार विद्यार्थी

मुक्त विश्वविद्यालय ने योग में डिप्लोमा एवं थिरैपी, एडवांस डिप्लोमा एवं पीजी डिप्लोमा कार्यक्रम शुरू किया है। विवि में अभी योग में प्रमाण पत्र का छह माह का कार्यक्रम भी संचालित है। कुलपति ने बताया कि योग के डिप्लोमा पाठ्यक्रम की लोकप्रियता इसी बात से देखी जा सकती है कि इसमें वर्तमान में 18 हजार विद्यार्थी पंजीकृत हैं। पूरी दुनिया में योग के बढ़ते महत्व को देखते हुए योग में डिप्लोमा, परास्नातक डिप्लोमा तथा अब परास्नातक कोर्स प्रारंभ किया गया है। योग प्रशिक्षकों की बढ़ती मांग को ध्यान में रखकर विवि ने पीजी कोर्स शुरू किया है।

मुक्त चिंतन News Letter

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

04 जनवरी, 2019

परीक्षा केन्द्रों पर विश्वविद्यालय के प्रेक्षकों एवं उड़ाका दल की की टीमों सघन दौरा

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की परीक्षायें प्रदेश के 118 परीक्षा केन्द्रों पर शांतिपूर्ण ढंग से संचालित की जा रही है। कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने केन्द्राध्यक्षों को निर्देशित किया कि परीक्षा केन्द्र पर छात्रों के लिए शीतल पेयजल, प्रकाश एवं हवा की पर्याप्त व्यवस्था की जाये। कुलपति प्रो0 सिंह के साथ ही विभिन्न परिक्षेत्रों में संवेदनशील परीक्षा केन्द्रों पर विश्वविद्यालय के अधिकारियों, प्रेक्षकों एवं उड़ाका दल की टीमें सघन दौरा कर रही है। प्रदश में नकल विहीन परीक्षा आयोजित कराने के प्रदेश सरकार के संकल्प को पूरी मुस्तैदी से अमल में लाया जा रहा है।

फिरोज गॉधी कालेज, रायबरेली (परीक्षा केन्द्र '.442) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी एवं निरीक्षण करते हुए विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो0 जी0एस0 शुक्ल।

श्री महावीर प्रसाद महिला महाविद्यालय, लखनऊ (परीक्षा केन्द्र '.263) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी एवं निरीक्षण करते हुए विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो0 जी0एस0 शुक्ल।

राजर्षि टंडन मुक्त विवि में प्रवेश के लिए जानकारी देते शिक्षक।

दिलदार नगर डिग्री कालेज, दिलदार नगर, गाजीपुर (परीक्षा केन्द्र '.035) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी एवं निरीक्षण करते हुए विश्वविद्यालय के मानविकी विद्याशाखा के निदेशक
प्रो0 आर0पी0एस0 यादव।

मुक्त चिंतन News Letter

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

07 जनवरी, 2019

मुविवि के अध्ययन केन्द्र में शिक्षाविद् पंडित राम कुमार पांडेय ग्रामर्षि की मनी 11वीं पुण्यतिथि

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय,प्रयागराज के अध्ययन केन्द्र ग्रामोदय आश्रम स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अम्बेडकरनगर द्वारा दिनांक 07 जनवरी, 2019 को ग्रामर्षि पंडित राम कुमार पांडेय की 11वीं पुण्यतिथि कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उ0प्र0 राजर्षि टण्डन टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय,प्रयागराज के माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी रहे। कार्यक्रम में डॉ0 मानवेन्द्र सिंह महाविद्यालय के प्रबन्धक एवं माननीय सांसद श्री हरि ओम पाण्डेय उपस्थित रहे।

माननीय अतिथियों का स्वागत महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 राकेश तिवारी ने एवं ध्न्यवाद ज्ञापन डॉ0 राजेश सिंह ने किया।

सोमवार को सया महाविद्यालय में ग्रामर्षि पर लिखी पुस्तक का विमोचन करते अतिथिगण

मुख्य अतिथि प्रो. कामेश्वर नाथ को स्मृति चिह्न भेंट करते सांसद हरिओम पांडेय

शिक्षा का उददेश्य समाज निर्माण होना चाहिए : प्रो0 कामेश्वर नाथ

सहयोगियों ने भाजपा को दिखाए तेवर पेज 10 | पुरुषों को ब्रेन ट्यूमर से मौत का ज्यादा खतरा पेज 16

हिन्दुस्तान

तरक्की को चाहिए नया नजरिया

नवोदय में सीटें बढ़ीं

मानव संसाधन विकास मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने कहा है कि नवोदय विद्यालयों में पांच हजार सीटें बढ़ाने का फैसला लिया गया है। पेज 11

मंगलवार, 08 जनवरी 2019, लखनऊ, पांच प्रदेश, 21 संस्करण, अम्बेडकरनगर संस्करण www.livehindustan.com वर्ष 24, अंक 07, 16 पेज, मूल्य ₹ 5.0...

शिक्षाविद् पंडित राम कुमार पांडेय ग्रामर्षि की मनी 11वीं पुण्यतिथि, मुख्य अतिथि ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य समाज निर्माण होना चाहिए

देश के लिए जीने वालों को दुनिया याद करती है

ग्रामर्षि महोत्सव

भीटी | हिन्दुस्तान संवाद

सोमवार को सया महाविद्यालय में ग्रामर्षि पर लिखी पुस्तक का विमोचन करते अतिथिगण

मुख्य अतिथि प्रो. कामेश्वर नाथ को स्मृति चिह्न भेंट करते सांसद हरिओम पांडेय • हिन्दुस्तान

दुनिया उसी को याद करती है जो समाज और देश के लिए जीता है। जो इसके विपरीत चलता है उसे दुनिया कभी भी याद नहीं रखती। भारत दुनिया का सबसे विलक्षण देश है इसमें भी विपुलता और विविधता दोनों ही विद्यमान है।

उक्त बातें राजर्षि टंडन विश्वविद्यालय प्रयागराज के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ ने ग्रामर्षि पंडित राम कुमार पांडेय की 11वीं पुण्यतिथि पर सोमवार को सया महाविद्यालय में आयोजित ग्रामर्षि महोत्सव में बतौर मुख्य अतिथि बोलते हुए कही। उन्होंने कहा कि प्रत्येक छात्र को शिक्षण कार्य के साथ में उद्देश्य होना चाहिए कि वह गांव और समाज के निर्माण के लिए काम करें और अपने जीवंतता बनाए रखें। जो व्यक्ति भूगोल का अध्ययन करता है वह समय और स्थल के बारे में जरूर ध्यान रखता है। उन्होंने कहा कि स्वामीनाथन आयोग की दी गई रिपोर्ट के अनुसार यदि भारत के संपूर्ण उर्वरा भूमि पर अन्न का उत्पादन किया जाए तो 16000 मीट्रिक टन का उत्पादन किया जा सकता है, जो 7 अरब की जनसंख्या को भोजन उपलब्ध करा सकता है। भारत ऐसा देश है जहां पर खनिज लवण प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। प्रोफेसर कामेश्वर नाथ ने कहा कि प्रत्येक छात्र को ग्रामर्षि की सोच के अनुसार अपने को ढालना होगा। मानवेंद्र सिंह ने कहा कि आज हमारे देश में भ्रष्टाचार मुक्त शिक्षा का भाव समझना होगा। शान बनाने के लिए शिक्षा ग्रहण नहीं करने की शिक्षा देते हुए उन्होंने छात्र-छात्राओं से कहा कि उन्हें राष्ट्र निर्माण के लिए पढ़ाई करनी चाहिए। महाविद्यालय के प्रबंधक एवं सांसद हरिओम पांडेय ने अपने पिता ग्रामर्षि पंडित राम कुमार पांडेय की स्मृतियों को याद करते हुए कहा कि चलते चलते थका न राही शाम हो गई अमर हुए ग्रामर्षि मौत बदनाम हो गई। उन्होंने अतिथियों का स्वागत करते हुए ग्रामर्षि के व्यक्तित्व और कृतित्व को याद किया। डा. अनुपम पांडेय ने ग्रामर्षि के जीवन पर विस्तार से प्रकाश डाला। प्राचार्य राकेश चन्द्र तिवारी ने अतिथियों का स्वागत करते हुए विद्यालय के विकास में ग्रामर्षि राम कुमार पांडेय और सांसद हरिओम पांडेय के योगदान और दिशा निर्देशन में विद्यालय के विकास कार्यों के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में डा. गुरु सहाय त्रिपाठी, भाजपा जिलाध्यक्ष कपिल देव वर्मा, रमाशंकर सिंह, अवधेश द्विवेदी, ओम प्रकाश उपाध्याय, राम प्रसाद यादव, राणा रणधीर सिंह, कृष्णा डिक्रूज, ओम प्रकाश तिवारी, सत्येंद्र पांडेय, हरीराम, दीपक केड़िया, आनंद, उदयराज मिश्र, विशाल व अन्य ने विचार व्यक्त किए।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रही धूमः ग्रामर्षि महोत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम रही। कार्यक्रम का शुभारंभ पंडित राम कुमार पांडेय तथा वीणावादिनी के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों से उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। युवा बांसुरी वादक मुकेश प्रजापति मधुर ने अपनी बांसुरी के धुन पर लोगों का मन मोह लिया। इस दौरान मेधावी छात्रों को पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया। छात्र छात्राओं को साइकिल, सिलाई मशीन, टेबल फैन प्रदान किया गया। इस दौरान कार्यक्रम का संचालन डा. राजेश कुमार मिश्र ने किया।

सांसद ने अतिथियों को सम्मानित कियाः ग्रामर्षि महोत्सव में सांसद हरिओम पांडेय ने स्थानीय जिले के साथ गोशाईगंज विधानसभा क्षेत्र के भाजपा अध्यक्षों, पदाधिकारियों और सदस्यों को स्मृति चिह्न और शाल भेंट कर सम्मानित किया। मुख्य अतिथि कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने भी सम्मानित किया। सम्मान पाने वालों में भाजपा जिलाध्यक्ष कपिल देव वर्मा, रमाशंकर सिंह, राम प्रकाश यादव, अमरनाथ सिंह, अवधेश कुमार द्विवेदी, घिसियावन मौर्य, कुलदीप सिंह, ओम प्रकाश उपाध्याय, दिलीप तिवारी समेत दो दर्जन से अधिक सक्रिय कार्यकर्ता और पदाधिकारी शामिल रहे।

लोकसभा क्षेत्र में 10 करोड़ की सड़कों का लोकार्पणः ग्रामर्षि महोत्सव के दौरान सांसद हरिओम पांडेय ने लोकसभा क्षेत्र के पूर्ण विकास के लिए वचनबद्धता दोहराई। उन्होंने इस दौरान पूरे क्षेत्र के लिए 10 करोड़ से अधिक की सड़कों का लोकार्पण करते हुए जनता को समर्पित किया।

भारत दुनिया का एक विलक्षण देश : कुलपति

ग्रामोदय आश्रम पीजी कॉलेज सया के संस्थापक पंडित रामकुमार पांडेय की 11वीं पुण्यतिथि पर ग्रामर्षि महोत्सव आयोजित

संसू, गौटी (अंबेडकरनगर) : राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा भारत दुनिया का एक विलक्षण देश है। यहां संसाधनों की भरमार है। कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक यह एक अलग विश्व नजर आता है। यहां आबादी बहुत है, लेकिन अभाव है तो सकारात्मक सोच और मानसिकता की। भारतीयों के लिए गांव पांचवां धाम है। गांव, देश व समाज के निर्माण में रचनात्मक कार्य करने वाला एक महर्षि होता है। पंडित रामकुमार पांडेय इन्हीं महर्षियों में से एक थे।

कुलपति सोमवार को क्षेत्र के ग्रामोदय आश्रम पीजी कॉलेज सया के संस्थापक पंडित रामकुमार पांडेय की 11वीं पुण्यतिथि पर आयोजित ग्रामर्षि महोत्सव को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित रहे थे। विशिष्ट अतिथि राष्ट्र व्यापी एकता महाअभियान के संचालक डॉ. माधवेंद्र ने कहा शिक्षा का उद्देश्य चरित्र व राष्ट्र निर्माण होना चाहिए। उन्होंने छात्रों से कहा अपने इस उद्देश्य से कभी विचलित मत होना।

उन्होंने कहा कि राष्ट्र निर्माण के लिए श्रृंखलाबद्ध वातावरण बनाना आवश्यक है। डॉ. अनुपम पांडेय ने कहा जिसका संपूर्ण जीवन मानवता की भलाई के लिए समर्पित हो वास्तव में वही ग्रामर्षि कहलाने का हकदार है।

प्राचार्य डॉ. राकेश चंद तिवारी ने अतिथियों का माल्यार्पण व बैज अलंकरण कर स्वागत किया। कार्यक्रम को भारतीय मूल की इंग्लैंड नागरिक डॉ. कृष्णा रिकूट, विजय विक्रम, प्रो. बीएन त्रिपाठी, मंडी परिषद के उपनिदेशक हरीराम, सांसद डॉ. हरिओम पांडेय, भाजपा नेता त्र्यंबक तिवारी, रमाशंकर सिंह, राजितराम यादव, अवधेश द्विवेदी, डॉ. राना रणधीर सिंह आदि ने संबोधित किया।

ग्रामर्षि महोत्सव में शामिल छात्राएं व अन्य ● जागरण

ग्रामोदय आश्रम पीजी कॉलेज सया के ग्रामर्षि महोत्सव में डॉ. कृष्णा रिकूट को स्मृति चिह्न भेंट करते सांसद डॉ. हरिओम पांडेय ● जागरण

ग्रामर्षि महोत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करतीं छात्राएं ● जागरण

मेधावियों को किया सम्मानित

ग्रामर्षि महोत्सव में कॉलेज के 150 मेधावियों को साइकिल, सिलाई मशीन, मिक्सी मशीन, स्मृति चिह्न व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इसके अलावा खेल के क्षेत्र में एथलीट अरविंद यादव, कला के क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय बांसुरी वादक मुकेश प्रजापति, भाजपा जिलाध्यक्ष कपिलदेव वर्मा, प्रदेश सचिव राम प्रकाश यादव समेत दर्जनों राजनीतिक लोगों व शिक्षक कवि उदयराज मिश्र समेत दर्जनों शिक्षाविदों को ग्रामर्षि शिखर सम्मान, शाल, स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया।

पत्रिकाओं का विमोचन

अतिथियों ने विद्यालय की दो पत्रिकाओं ग्रामोदय सुरभि व ग्रामर्षि स्मारिका का विमोचन किया। कॉलेज की छात्र-छात्राओं ने सरस्वती वंदना, भारत वंदना, स्वागत गीत व अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों से महोत्सव को सुंदरता प्रदान की। कार्यक्रम की अध्यक्षता गुरु सहाय तिवारी व संचालन डॉ. राजेश मिश्रा ने किया।

मुकेश की बजी बांसुरी

अंतरराष्ट्रीय ख्यातिलब्ध बांसुरी वादक मुकेश प्रजापति ने अपनी बांसुरी की तान छेड़कर महोत्सव को मंत्रमुग्ध कर दिया। वैदिक रीति-रिवाज के मुताबिक पहले शंख की ध्वनि निकाली। इसके बाद कई राष्ट्रीय गीतों की प्रस्तुति बांसुरी से कर सभी को आकर्षित किया।

परियोजनाओं का लोकार्पण

ग्रामर्षि महोत्सव के माध्यम से सांसद डॉ. हरिओम पांडेय ने 10 करोड़ 24 लाख 45 हजार की लागत से बनी 49 परियोजनाओं का अतिथियों के सम्मुख लोकार्पण कर जनता को सौंपा।

मुक्त विवि: पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान की प्रायोगिक परीक्षाएं फरवरी में

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज की सत्र दिसम्बर 2018 की पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में स्नातक (बीएलआईएस) तथा स्नातकोत्तर (एमएलआईएस) की प्रायोगिक परीक्षा 13 एवं 14 फरवरी को प्रदेश के आठ शहरों प्रयागराज, कानपुर, गोरखपुर, मेरठ, बरेली, वाराणसी, लखनऊ शहरों में विश्वविद्यालय मुख्य परिसर फाफामऊ प्रयागराज, बीएसएसडी कालेज कानपुर, दीनदयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय गोरखपुर, इस्माइल नेशनल महिला पीजी कालेज मेरठ, बरेली कालेज बरेली, सुधाकर महिला पीजी कालेज वाराणसी, महावीर प्रसाद गर्ल्स पीजी कालेज लखनऊ तथा बीएनएस गर्ल्स डिग्री कालेज

मुक्त चिंतन News Letter

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

11 जनवरी, 2019

मा0 कुलपति जी ने किया परीक्षा केन्द्र का औचक निरीक्षण

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की परीक्षायें प्रदेश के 118 परीक्षा केन्द्रों पर शांतिपूर्ण ढंग से संचालित की जा रही है। कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने प्रयागराज में दिनांक 11 जनवरी, 2019 को विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित परीक्षा केन्द्र का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने केन्द्राध्यक्षों को निर्देशित किया कि परीक्षा केन्द्र पर छात्रों के लिए शीतल पेयजल, प्रकाश एवं हवा की पर्याप्त व्यवस्था की जाये। कुलपति प्रो0 सिंह के साथ ही विभिन्न परिक्षेत्रों में संवेदनशील परीक्षा केन्द्रों पर विश्वविद्यालय के अधिकारियों, प्रेक्षकों एवं उड़ाका दल की टीमें सघन दौरा कर रही है। प्रदेश में नकल विहीन परीक्षा आयोजित कराने के प्रदेश सरकार के संकल्प को पूरी मुस्तैदी से अमल में लाया जा रहा है।

विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित परीक्षा केन्द्र का औचक निरीक्षण करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी

इस्माइल नेशनल महिला पी.जी. कालेज, मेरठ (परीक्षा केन्द्र :019) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

मुक्त चिंतन News Letter

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

17 जनवरी, 2019

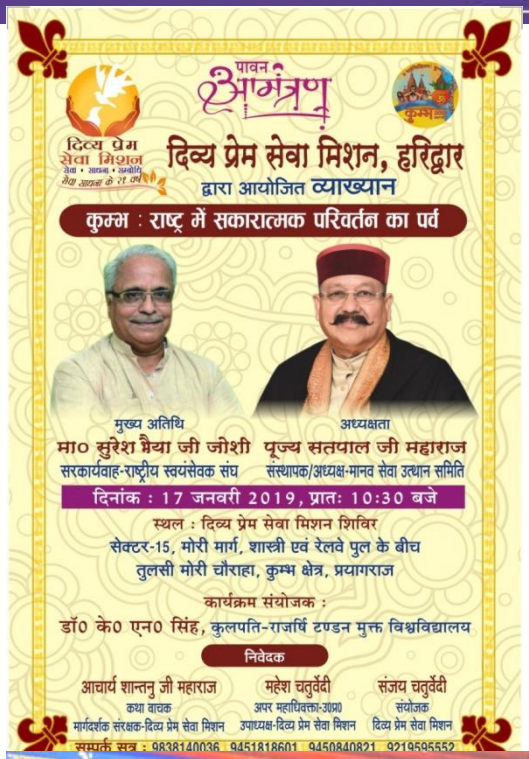

'कुम्भ : राष्ट्र में सकारात्मक परिवर्तन का पर्व' विषय पर व्याख्यान का आयोजन

दिनांक 17 जनवरी, 2019 को कुम्भ मेला क्षेत्र, प्रयागराज में दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार द्वारा 'कुम्भ : राष्ट्र में सकारात्मक परिवर्तन का पर्व' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह माननीय भैया जी जोशी जी रहे तथा व्याख्यान कार्यक्रम की अध्यक्षता मानव सेवा उत्थान समिति के अध्यक्ष पूज्य सतपाल जी महराज ने की। कार्यक्रम के संयोजक उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के मा0 कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह रहें । निवेदक आचार्य शान्तनु जी महराज, श्री महेश चतुर्वेदी एवं श्री संजय चतुर्वेदी जी रहें। कार्यक्रम में भारी संख्या में प्रतिभागी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

मंचासीन माननीय अतिथिगण

दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यकम का उद्घाटन करते हुए माननीय अतिथिगण

सभागार में

उपस्थित सोतागण

एवं

गणमान्य नागरिक।

अपने विचार व्यक्त करते हुए डॉ0 आशीष जी।

अपने विचार व्यक्त करते हुए मा0 शान्तनु महराज जी।

राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह जी को पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर स्वागत करते हुए दिव्य प्रेम सेवा मिशन के सदस्यगण

'कुम्भ : राष्ट्र में सकारात्मक परिवर्तन का पर्व' पर आयोजित व्याख्यान में विचार व्यक्त करते उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.एन. सिंह एवं मंचासीन माननीय सुरेश भैया जी जोशी, श्रीयुत सतपाल महाराज, दिव्यप्रेम सेवा मिशन के पथ प्रदर्शक माननीय आशीष जी, शान्तनु महाराज एवं गणमान्य अतिथि।

व्यक्ति को परिस्कृत राष्ट्रसेवा के लिए तैयार करता है कुम्भः कुलपति

कुम्भ नगर प्रयागराज दिव्य प्रेम सेवा मिशन के एक कार्यक्रम में शिरकत कर रहे राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि कुम्भ आया व्यक्ति परिष्कृत होकर लौटता है। उसमें सकारात्मकता होती है। वह राष्ट्रहित में सभी कार्य करने में सक्षम हो जाता है। उन्होंने कहा कि कुसंस्कार रूपी विकार व्यक्ति के विकास में ही नहीं बल्कि राष्ट्र के विकास में भी बाधक होता है। इसलिए उसके व्यक्तित्व का परिष्करण जरूरी होता है और वह कुम्भ में आने वाले व्यक्ति में हो जाता है। उन्होंने इसके लिए अनेक उदाहरण भी दिया। उन्होंने बताया कि आग जलाने वाले का अंगारों पर से राख उड़ाते रहने की विवशता होती है। अगर वह विकार रूपी राख को समय रहते नहीं उड़ाता है तो आग बुझ जाती है। कुम्भ में संतों की संगत में आए व्यक्ति को वही विकार दूर करने का मंत्रा मिलता है। उन्होंने कहा कि कुम्भ के दौरान लोगों को सकारात्मक ऊर्जा मिलती है। यह सकारात्मक ऊर्जा ही राष्ट्रसेवा को प्रेरित करती है। भारतीय भौगोलिक परिस्थितियां भिन्न होने के बाद भी कुम्भ में एकरूपता दिखने का यही कारण है। विविधतापूर्ण भौगोलिक परिस्थितियां अलग–अलग विविधताओं को जन्म देने वाली है। यही से नकारात्मकता को समाज में प्रवेश करने … उड़ाने की कोशिश में है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह सुरेश भैयाजी जोशी जी को पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर स्वागत करते हुए दिव्य प्रेम सेवा मिशन के सदस्यगण

सरकार्यवाह सुरेश भैयाजी

सकारात्मक परिवर्तन का महापर्व है कुम्भ – सुरेश भैयाजी जोशी

कुम्भ नगरी (प्रयागराज) कुष्ट रोगियों की सेवा को समर्पित दिव्य प्रेम सेवा मिशन के एक कार्यक्रम में शिरकत करने आये राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह सुरेश भैयाजी जोशी ने कुम्भ को सकारात्मक परिवर्तन का महापर्व करार दिया। उन्होंने कहा कि अधिकांश कुम्भ वर्षों में आम जनमानस ने राष्ट्र के प्रति सकारात्मक रवैया अपनाया है। वर्ष 2010 से हर कुम्भ में दिव्य प्रेम सेवा मिशन द्वारा आयोजित की जाने वाली व्याख्यान माला की 20वें कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे भैया जी जोशी ने कहा कि कुम्भ में आस्था रखने वाला एक हिन्दू होने के नाते मैं भी इसमें विश्वास रखता हूं। बिना किसी प्रचार–प्रसार के ही इतना बड़ा आयोजन कुम्भ की सकारात्मकता का सबसे बड़ा द्योतक है। उन्होंने एक संस्मरण सुनाते हुये कहा कि पंडित मदन मोहन मालवीय ने भी इसकी महत्ता और खर्च के बारे में एक विदेशी पत्राकार को बताया था। आयोजन में खर्च संबंधी सवाल का जवाब देते हुए मालवीय जी ने कहा था कि कुम्भ में आयोजन के प्रचार–प्रसार में सिर्फ आधे पैसे खर्च हुए है। उन्होंने बताया था कि पंचांग में लिखे अक्षरों पर होने वाला खर्च ही कुम्भ का बजट है। उन्होंने कुम्भ के आयोजन वर्श और उस काल में होने वाले सामाजिक परिवर्तनों की चर्चा की। खगोलीय और आस्था से जुड़ी अमृत की बूंदों के छलकने की कथाओं को सुनने के बाद कहा कि कुम्भ के आयोजन वर्षों में अनेक सामाजिक परिवर्तन हुए है। इन परिवर्तनों का राष्ट्र पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। उन्होंने कहा कि कुम्भ आयोजन के समय समाजहित का चिंतन–मंथन होता है। सामर्थ्यवान, वैभवशाली, गरीब, परित्यक्त, महिला, पुरूष, बच्चों के अलावा सृष्टि की अक्षुण्णता के प्रति सहज भाव से नैसर्गिक विचार होना ही कुम्भ की विशेषता है। उन्होंने मुगलकाल और अंग्रेजी काल में हुई कुछ घटनाओं का जिक करते हुये कहा कि 800 स 900 वर्ष तक मुगलों और तकरीबन 200 से 250 वर्ष तक अंग्रेजों की अधीनता में भारतीय रहे। बावजूद इसके भारत की अक्षुण्ण रहने वाली एकता आज भी परिलक्षित है। यह कुम्भ के सकारात्मक प्रयास का प्रतिफल है। उन्होंने कहा कि वर्ष 1857 में क्रान्ति हुई। देश की आजादी का संघर्ष था। वर्ष 1925 में आर0एस0एस0 का गठन हुआ। राष्ट्र के लिए समर्पित और सनन्द्ध रहने वाले स्वयंसेवकों को तैयार करने को हुआ सकारात्मक प्रयास था। वर्ष 1977 में आपातकाल के खिलाफ हुआ जन आंदोलन लोकतंत्रा को बचाने को होने वाला सामाजिक और राजनैतिक परिवर्तन था। वर्ष 1990–91 में अयोध्या राम मन्दिर निर्माण में लिए कारसेवकों द्वारा बाबरी ढांचे को गिरना धार्मिक क्षेत्रा का सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिला। वर्ष 2001 में पोखरन परीक्षण और वर्ष 2013 में मंगलयान की सफलता कुम्भ वर्ष में होने वाले सकारात्मक परिवर्तन में परिणाम है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि वर्ष 1952 के सोमनाथ मंदिर निर्माण के साथ ही राष्ट्र और भारतीय समाज में सकारात्मक परिवर्तन हुए है। एक बार फिर कुछ वैसे ही सकारात्मक परिणाम देखने को मिल सकते है।

मानव सेवा उत्थान समिति के अध्यक्ष पूज्य सतपाल जी महराज जी को पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर स्वागत करते हुए दिव्य प्रेम सेवा

कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए पूज्य सतपाल जी महराज जी

कार्यक्रम की कुछ झलकियां

हिन्दी दैनिक

इलाहाबाद एक्सप्रेस

....सच का आधार

वर्ष : 9 अंक : 289 प्रयागराज, शुक्रवार 18 जनवरी 2019 पृष्ठ 8 मूल्य : 1 रुपया

विविध :राम मन्दिर बनना ही चाहिए ... | विचार :लौटेगा दिल्ली में कांग्रेस का ... | सिनेमा :राजनीतिक फिल्में चुनावी नतीजों ...

सकारात्मक परिवर्तन का महापर्व है कुम्भ : आरएसएस

कुम्भ नगरी (प्रयागराज)। कुष्ट रोगियों की सेवा को समर्पित दिव्य प्रेम सेवा मिशन के एक कार्यक्रम में शिरकत करने आये राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में सरकार्यवाह सुरेश भैयाजी जोशी ने कुम्भ को सकारात्मक परिवर्तन का महापर्व करार दिया। उन्होंने कहा कि अधिकांश कुम्भ वर्षों में आम जनमानस ने राष्ट्र के प्रति सकारात्मक रवैया अपनाया है। वर्ष 2010 से हर कुम्भ में दिव्य प्रेम सेवा मिशन द्वारा आयोजित की जाने वाली व्याख्यान माला की 20वें कार्यक्रम को संबोधित कर रहे भैया जी जोशी ने कहा कि कुम्भ में आस्था रखने वाला एक हिन्दू होने के नाते मैं भी इसमें विश्वास रखता हूं। बिना किसी प्रचार-प्रसार के ही इतना बड़ा आयोजन कुम्भ की सकारात्मकता का सबसे बड़ा द्योतक है। उन्होंने एक संस्मरण सुनाते हुए कहा कि पंडित मदन मोहन मालवीय ने भी इसकी महत्ता और खर्च के बारे में एक विदेशी पत्रकार को बताया था। आयोजन में खर्च संबंधी सवाल का जवाब देते हुए मालवीय जी ने कहा था कि कुम्भ में आयोजन के प्रचार-प्रसार में सिर्फ आधे पैसे खर्च हुए हैं। उन्होंने बताया था कि पंचांग में लिखे अक्षरों पर होने वाला खर्च ही कुम्भ का बजट है। उन्होंने कुम्भ के आयोजन वर्ष और उस काल में होने वाले सामाजिक परिवर्तनों की चर्चा की। खगोलीय और आस्था से जुड़ी अमृत की बूंदों के छलकने की कथाओं को सुनने के बाद कहा कि कुम्भ के आयोजन वर्षों में अनेक सामाजिक परिवर्तन हुए है। इन परिवर्तनों का राष्ट्र पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। उन्होंने कहा कि कुम्भ आयोजन के समय समाजहित का चिंतन-मंथन होता है। सामर्थ्यवान, वैभवशाली, गरीब, परित्यक्त, महिला, पुरुष, बच्चों में अलावा सृष्टि की अक्षुण्णता के प्रति सहज भाव से नैसर्गिक विचार होना ही कुम्भ की विशेषता है। उन्होंने मुगल काल और अंग्रेजी काल में हुई कुछ घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि 800 से 900 वर्ष तक मुगलों और तकरीबन 200 से 250 वर्ष तक अंग्रेजों की अधीनता में भारतीय रहे। बावजूद इसके भारत की अक्षुण्ण रहने वाली एकता आज भी परिलक्षित है। यह कुम्भ के सकारात्मक प्रयास का प्रतिफल है। उन्होंने कहा कि वर्ष 1857 में क्रांति हुई। देश की आजादी का संघर्ष था। वर्ष 1925 में आरएसएस का गठन हुआ। राष्ट्र के लिए समर्पित और सनन्द्ध रहने वाले स्वयंसेवकों को तैयार करने को हुआ सकारात्मक प्रयास था। वर्ष 1977 में आपातकाल के खिलाफ हुआ जन आंदोलन लोकतंत्र को बचाने को होने वाला सामाजिक और राजनैतिक परिवर्तन था। वर्ष 1990-91 में अयोध्या राम मंदिर निर्माण में लिए कारसेवकों द्वारा बाबरी ढांचे को गिरना धार्मिक क्षेत्र का सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिला। वर्ष 2001 में पोखरण परीक्षण और वर्ष 2013 में मंगलयान की सफलता कुम्भ वर्ष में होने वाले सकारात्मक परिवर्तन में परिणाम है। एक सवाल में जवाब में उन्होंने कहा कि वर्ष 1952 के सोमनाथ मंदिर निर्माण के साथ ही राष्ट्र और भारतीय समाज में सकारात्मक परिवर्तन हुए है। एक बार फिर कुछ वैसे ही सकारात्मक परिणाम देखने को मिल सकते हैं।

हिन्दी दैनिक

इलाहाबाद एक्सप्रेस

....सच का आधार

वर्ष : 9 अंक : 289 प्रयागराज, शुक्रवार 18 जनवरी 2019 पृष्ठ 8 मूल्य : 1 रुपया

विविध :राम मन्दिर बनना ही चाहिए ... | विचार :लौटेगा दिल्ली में कांग्रेस का ... | सिनेमा :राजनीतिक फिल्में चुनावी नतीजों ...

व्यक्ति को परिस्कृत राष्ट्रसेवा के लिए तैयार करता है कुम्भः कुलपति

कुम्भनगर (प्रयागराज)। दिव्य प्रेम सेवा मिशन के एक कार्यक्रम में शिरकत कर रहे राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि कुम्भ आया व्यक्ति परिष्कृत होकर लौटता है। उसमें सकारात्मकता होती है। वह राष्ट्रहित में सभी कार्य

महानगर

वर्ष 22 | अंक 214 | पृष्ठ : 18+16

मूल्य : छह रुपये

अमर उजाला

प्रयागराज

शुक्रवार, 18 जनवरी 2019

amarujala.com

सुप्रीम कोर्ट मुंबई में फिर खुलेंगे डांस बार, रोक वाला कानून खारिज ...17 | उत्तर प्रदेश

राम मंदिर निर्माण अध्यादेश के बगैर संभव नहीं: भैयाजी जोशी

संघ सर कार्यवाह ने कहा, मोदी-योगी की सरकार संवेदनशील

कुंभनगर। दिव्य प्रेम सेवा मिशन के मंच से संघ के सर कार्यवाह सुरेश भैया जी जोशी ने यह संकेत दे दिया कि अब अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण केंद्र सरकार के अध्यादेश के बगैर संभव नहीं है।

ऑस्ट्रेलिया में पहली बार सीरीज जीतने का मौका पेज 16 | सेटटॉप बॉक्स नहीं बदलना पड़ेगा : ट्राई पेज 17

हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया

विपक्ष पर निशाना
केंद्रीय मंत्री अरुण जेटली ने कहा कि विपक्ष झूठे आरोप गढ़ कर लोकतंत्र को बर्बाद कर रहा है। पेज 11

शुक्रवार, 18 जनवरी 2019, प्रयागराज, पांच प्रदेश, 21 संस्करण, नगर संस्करण www.livehindustan.com वर्ष 10, अंक 16, पेज 18, मूल्य ₹6.00, पौष शुक्ल पक्ष त्रयोदशी, विक्रम संवत् 2075

श्रेष्ठ भारत का सपना हो रहा साकार

प्रयागराज | वरिष्ठ संवाददाता

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सरकार्यवाह सुरेश जोशी 'भैया जी' ने कहा कि कला एक साधना है और कला साधकों को मंच प्रदान करने वाली संस्था संस्कार भारती देश में बड़ा काम कर रही है। भैया जी ने कुम्भ क्षेत्र स्थित संस्कार भारती पूर्वोत्तर के शिविर के उद्घाटन समारोह में कहा कि पूर्वोत्तर के कलाकारों को बुलाकर संस्था ने एक भारत श्रेष्ठ भारत की कल्पना साकार की है।

भैया जी का स्वागत पुष्प गुच्छ देकर संस्था की स्थानीय अध्यक्ष कल्पना सहाय ने किया। इस अवसर पर संस्कार भारती के संस्थापक संरक्षक पद्मश्री बाबा योगेन्द्र, लोकगायिका पद्मश्री मालिनी अवस्थी, महामंडलेश्वर स्वामी यतीन्द्रानन्द गिरी, गंगा सभा के स्वामी जितेन्द्रानंद सरस्वती, अंतर क्रांति सामाजिक प्रकल्प के स्वामी ईशानंद, दिव्य ज्योति जागृति संस्थान के स्वामी ऋषि केशानंद, पूर्व कुलपति गिरीश चन्द्र त्रिपाठी, संस्कार भारती के अखिल भारतीय महामंत्री अमीर चंद, उपाध्यक्ष बांके लाल, समन्वयक दयाल कृष्ण नाथ आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का ध्येय गीत विष्णु राजा ने गाया। कार्यक्रम का संचालन डा. आभा मधुर ने किया।

कई प्रदेशों के कलाकारों ने पेश किए

मेला क्षेत्र में दिव्य प्रेम संस्थान के समारोह को सम्बोधित करते भैया जी जोशी ।

रचनात्मक सोच की तरफ ले जाता है कुम्भ

प्रयागराज। दिव्य प्रेम सेवा मिशन की ओर से आयोजित व्याख्यान में सतपाल महाराज ने कहा कि कुम्भ रचनात्मक सोच की तरफ ले जाता है। यहां संतों के पास अमृत का ज्ञान है लेकिन वो खोजने से मिलेगा। उन्होंने कहा कि कुम्भ धार्मिक और आध्यात्मिक आयोजन के साथ ज्योतिष विज्ञान का जीवंत उदाहरण है। समाज में साकारात्मक और नाकारात्मक सोच होती है। कुम्भ स साकारात्मक ऊर्जा लेकर जाना है। राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ केएन सिंह ने कहा कि कुम्भ राष्ट्र में साकारात्मक परिवर्तन का पर्व है। कुम्भ राष्ट्र के निर्माण में साकारात्मक भूमिका निभाएगा। कथावाचक आचार्य सांतनु और दिव्य सेवा मिशन के आशीष ने संस्था के कामों पर प्रकाश डाला। व्याख्यान का संचालन अनिरुद्ध प्रताप ने किया। इसमें टीकरमाफी आश्रम के श्री हरिचैतन्य ब्रह्मचारी, अपर महाधिवक्ता महेश चतुर्वेदी, दिव्य प्रेम सेवा मिशन के संयोजक संजय चतुर्वेदी, मंझनपुर के विधायक लाल बहादुर, पूर्व उप महापौर अनामिका चौधरी, पूर्व पार्षद राजू शुक्ल, अनिलजी आदि मौजूद रहे।

स्वामी विवेकानंद ने किया

एक धारा में सब

मुक्त चिंतन News Letter

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

19 जनवरी, 2019

मुविवि में दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम पर राष्ट्रीय सम्मेलन

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में शिक्षा विद्याशाखा के तत्वावधान में दिनांक 19 जनवरी, 2019 को 'दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम–2016 क्रियान्वयन के मुद्दे एवं चुनौतियां' विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय सम्मेलन के मुख्य अतिथि डॉ0 कमलेश कुमार पाण्डेय, आयुक्त दिव्यांग जन तथा अध्यक्ष, भारतीय पुनर्वास परिषद, नई दिल्ली रहें तथा राष्ट्रीय सम्मेलन की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के मा0 कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह जी ने की।

अतिथियों का स्वागत शिक्षा विद्याशाखा के प्रभारी प्रो0 पी0के0 पाण्डेय न किया। सम्मेलन के बारे में आयोजन सचिव डॉ0 नीता मिश्रा ने जानकारी दी। संचालन कार्यक्रम संयोजक डॉ0 दिनेश सिंह एवं ध्न्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डॉ0 अरूण कुमार गुप्ता ने किया। वन्देमातरम तथा राष्ट्रगान की प्रस्तुति श्रेया तिवारी ने की। तकनीकी सत्रों में विषय विशेषज्ञ अशोक कुमार द्विवेदी, अध्विक्ता तथा उपाध्यक्ष, सक्षम तथा प्रो0 सुधन्शु त्रिापाठी ने महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की।

मंचासीन माननीय अतिथि

देश में 20 लाख विशेष शिक्षकों की आवश्यकता– आयुक्त दिव्यांगजन

दिव्यांग जनों के विकास के लिए जनजागरण की आवश्यकता–

दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यकम का उद्घाटन करते हुए माननीय अतिथिगण

वन्देमातरम की प्रस्तुति करती हुई श्रेया तिवारी तथा सभागार में उपस्थित अतिथिगण व अन्य।

संचालन करते हुए कार्यक्रम संयोजक डॉ0 दिनेश सिंह तथा सम्मेलन के बारे में जानकारी देती हुई आयोजन सचिव डॉ0 नीता मिश्रा

मुख्य अतिथि डॉ0 कमलेश कुमार पाण्डेय, जी को पुष्पगुच्छ प्रदान कर स्वागत करती हुई आयोजन सचिव डॉ0 नीता मिश्रा

एव

विश्वविद्यालय के मा0 कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह जी को पुष्पगुच्छ प्रदान कर स्वागत करती हुई

डॉ0 स्मिता अग्रवाल

मा0 अतिथियों का स्वागत करते हुए शिक्षा विद्याशाखा के प्रभारी प्रो0 डॉ0 कमलेश कुमार

देश में 20 लाख विशेष शिक्षकों की आवश्यकता– आयुक्त दिव्यांगजन

राष्ट्रीय सम्मेलन के मुख्य अतिथि डॉ0 कमलेश कुमार पाण्डेय, आयुक्त दिव्यांग जन तथा अध्यक्ष, भारतीय पुनर्वास परिषद, नई दिल्ली ने उद्घाटन सत्रा में कहा कि देश में इस समय 20 लाख विशेष शिक्षकों (स्पेशल एजूकेशन) की आवश्यकता है। हर स्कूल में एक विशेष शिक्षक होना अनिवार्य है। भारतीय पुनर्वास परिषद, नई दिल्ली में इस समय एक लाख छत्तीस हजार स्पेशल एज्केटर पंजीकृत हैं। आर0सी0आई0 द्वारा आज की तारीख में 62 प्रकार के कोर्सेज चलाये जा रहे हैं जिनमें डिग्री तथा डिप्लोमा शामिल है। 779 संस्थायें आर0सी0आई0 द्वारा संचालित कार्यक्रमों को चला रही है जिनमें देश के सभी केन्द्रीय विश्वविद्यालयों के साथ कई राज्यो के विष्वविद्यालय तथा राश्ट्रीय महत्व के संस्थान षामिल हैं। डॉ0 पाण्डेय ने कहा कि विभिन्न संस्थानों से कोर्स पूर्ण करके जो विषेश शिक्षक निकलते है उन्हें सेवा करने का अवसर अवश्य मिलना चाहिये। उन्होंने कहा कि दिल्ली में 3900 विशेष विद्यालय हैं लेकिन वहां पढ़ान वाले विशेष शिक्षकों की संख्या मात्रा 745 है । छत्तीसगढ की हालत ओर खराब है डॉ0 पाण्डेय ने कहा कि उन्होंने अपने कार्यकाल में 32 महीने में 35 राज्यों में स्पेशल एजूकेशन प्रदान करने वाली संस्थाओं की समीक्षा करवाई तो विशेष शिक्षा की स्थिति में काफी सुधार एवं जागरूकता की आवश्यकता सामने आयी। उन्होंने कहा कि इसी वजह से आर0सी0आई0 ने नियमों को सरलीकृत करते हुये जन–जन तक विशेष शिक्षा पहुंचाने का संकल्प लिया है। डॉ0 पाण्डेय ने कहा कि दिव्यांगों के लिए देश में समावेशी वातावरण होना चाहिए। दिव्यांगों ने राष्ट्र के निर्माण में अप्रतिम योगदान दिया। समावेशी समाज की कल्पना हमारे देश में रही है। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार दिव्यांगों के प्रति संवेदनशील है।

मुख्य अतिथि
डॉ0 कमलेश कुमार पाण्डेय,
जी को अंगवस्त्रा एवं स्मृति
चिन्ह
प्रदान कर
स्वागत करते हुए
विश्वविद्यालय के
मा0 कुलपति
प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह जी

विश्वविद्यालय के
मा0 कुलपति
प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह जी
को अंगवस्त्रा एवं स्मृति चिन्ह
प्रदान कर
स्वागत करते हुए
प्रभारी निदेशक
शिक्षा विद्याशाखा
प्रो0 पी0के0 पाण्डेय

प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

दिव्यांग जनों के विकास के लिए जनजागरण की आवश्यकता– कुलपति

अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि दिव्यांगता अभिशाप नहीं साध्ना है। हमें अपना दृष्टिकोण बदलने की आवश्यकता है। कोई व्यक्ति बिना गुण के नहीं होता। दिव्यांगों को भी सम्मानजनक जीवन मिलना चाहिये। प्रो0 सिंह ने कहा कि दूसरों की पीड़ा कष्ट और विवशता को देखकर जो अपनी पीड़ा भूल जाता है उसे ही सेवा के क्षेत्रा में आना चाहिये।

कुलपति प्रो0 सिंह ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति में कोई न कोई विशिष्ट क्षमता होती है, नियोजन क अभाव में उसकी क्षमता का विकास अपूर्ण रहता है। हमारा लक्ष्य है कि दिव्यांगों की इन अंतर्निहित क्षमताओं के विकास के हित में समाज और इसकी संस्थाएं अपना नया दृष्टिकोण विकसित करें जो वास्तविक अर्थ में इनके जीवन को कृतकार्य बना सके। प्रो0 सिंह ने कहा कि केवल अधिनियम बनने से समस्याओं का समाधन नहीं होता बल्कि समस्याओं का समाधन जनता की मानसिकता में परिवर्तन से होता है। दिव्यांग जनों के जीवन विकास के संदर्भ में जनजागरण की आवश्यकता

संचालन करती हुई आयोजन सचिव डॉ0 नीता मिश्रा

विषय विशेषज्ञ

डॉ0 अशोक कुमार द्विवेदी जी

तथा

प्रो0 सुधान्शु त्रिपाठी जी

को पुष्पगुच्छ प्रदान कर स्वागत करती हुई श्रीमती निशा

विषय विशेषज्ञ डॉ0 अशोक कुमार द्विवेदी जी को स्मृति चिन्ह प्रदान कर स्वागत करते हुए प्रो. सुधन्शु त्रिपाठी।

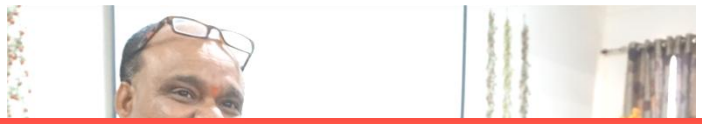

मुक्त चिंतन News Letter

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

19 जनवरी, 2019

पाठ्यक्रम परिचय विषय पर कार्यशाला

दिनांक 19 जनवरी, 2019 को रामकृष्ण पी0जी0 बछरावा, वाराणसी एवं राम मनोहर लोहिया पी0जी. कालेज, भैरव तालाब, वाराणसी के परिसर में उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय,

रामकृष्ण पी0जी0 बछरावा, वाराणसी में आयोजित कार्यशाला में कालेज के प्राचार्य को सूचना विवरणिका की प्रति प्रदान करते हुए प्रो. आर.पी.एस. यादव

देशभर में 20 लाख विशेष शिक्षकों की आवश्यकता

प्रयागराज | वरिष्ठ संवाददाता

राष्ट्रीय सम्मेलन

- दिव्यांगजनों के विकास के लिए जनजागरण की जरूरत : कुलपति
- मुक्त विश्वविद्यालय में दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम पर आयोजन

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के फाफामऊ परिसर में शिक्षा विद्याशाखा की ओर से शनिवार को 'दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम-2016: क्रियान्वयन के मुद्दे एवं चुनौतियां' विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि आयुक्त दिव्यांगजन के विश्वविद्यालय और राष्ट्रीय महत्व के संस्थान शामिल हैं। उन्होंने कहा कि जो

मत, पंथ व सम्प्रदायों के धर्माचार्यों का संगम

प्रयागराज | वरिष्ठ संवाददाता

प्रयागराज में 30 जनवरी को देशभर के 54 मत, पथ और सम्प्रदायों के धर्माचार्यों और विद्वानों का संगम होगा। इसे सर्वसमावेशी संस्कृति कुम्भ का नाम दिया गया है।

संत परेड मैदान स्थित गंगा पंडाल में मानव एवं विश्व कल्याण पर चर्चा करेंगे। इस आयोजन के माध्यम से यह संदेश देने की कोशिश होगी की विद्वान एक ही परम सत्य को अलग-अलग

27 को आएंगे दलाई लामा और स्वामी रामदेव

कुम्भ क्षेत्र में श्री गुरुकाष्णि के शिविर में 27 जनवरी को दलाई लामा और योगगुरु स्वामी रामदेव आएंगे। शिविर में योगगुरु 31जनवरी तक रहेंगे और दलाई लामा 28जनवरी तक रहेंगे। शिविर के स्वामी ओंकारानंद ने बताया कि योगगुरु लोगों को योग के माध्यम से निरोग रहने का संदेश देंगे वहीं। दलाई लामा विश्व में शांति और सद्भावना कायम रखने के लिए अपील करेंगे। बताया कि शिविर में कुम्भ तक रामकथा, महाभारत, श्रीकृष्ण कथा, श्रीमद्भागवत कथा होगी। स्वामी ज्ञानानंद, श्रीकृष्णचंद्र शास्त्री कथा कहेंगे। इसके अलावान रामानंदाचार्य रामभद्राचार्य, पुंडरीक जी प्रवचन कहेंगे। रमेश भाई ओझा

पायनियर
लखनऊ, रविवार, 20 जनवरी, 2019

देश में बीस लाख विशेष शिक्षकों की आवश्यकताः डा. पाण्डेय

पायनियर समाचार सेवा। प्रयागराज

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में शिक्षा विद्याशाखा के तत्वावधान में शनिवार को 'दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 क्रियान्वयन के मुद्दे एवं चुनौतियां' विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि डा. कमलेश कुमार पाण्डेय आयुक्त दिव्यांग जन तथा अध्यक्ष भारतीय पुनर्वास परिषद ने कहा कि देश में इस समय 20 लाख विशेष शिक्षकों की आवश्यकता है। हर स्कूल में एक विशेष शिक्षक होना अनिवार्य है। भारतीय पुनर्वास परिषद में इस समय एक लाख छत्तीस हजार स्पेशल एजूकेटर पंजीकृत हैं। आरसीआई में 62 प्रकार के कोर्सेज चलाये जा रहे हैं। डा. पाण्डेय ने कहा कि विभिन्न संस्थानों से कोर्स पूर्ण करके जो विशेष शिक्षक निकलते हैं, उन्हें सेवा करने का अवसर अवश्य मिलना चाहिए। राज्यों में स्पेशल एजूकेशन प्रदान करने वाली संस्थाओं की समीक्षा करवाई तो विशेष शिक्षा की स्थिति में काफी सुधार एवं जागरूकता की आवश्यकता सामने आयी। अध्यक्षता कर रहे कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि दिव्यांगता अभिशाप नहीं साधना है। हमें अपना दृष्टिकोण बदलने की आवश्यकता है। कोई व्यक्ति बिना गुण के नहीं होता। दिव्यांगों को भी सम्मानजनक जीवन मिलना चाहिये। अतिथियों का स्वागत शिक्षा विद्याशाखा के प्रभारी प्रो. पी के पाण्डेय ने किया। सम्मेलन के बारे में आयोजन सचिव डा. नीता मिश्रा ने जानकारी दी। संचालन कार्यक्रम संयोजक डा. दिनेश सिंह एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डा. अरूण कुमार गुप्ता ने किया। वन्देमातरम तथा राष्ट्रगान की प्रस्तुति श्रेया तिवारी ने की। तकनीकी सत्रों में विषय विशेषज्ञ अशोक कुमार द्विवेदी, अधिवक्ता तथा उपाध्यक्ष, सक्षम तथा प्रो. सुधान्शु त्रिपाठी आदि रहे।

मेले में स्वच्छता को लेकर फैलाई जा रही जागरूकता

प्रयागराज। कुंभ मेला की शुरूआत प्रयागराज के त्रिवेणी संगम पर हो गई है। जिसे पहले इलाहाबाद के नाम से जाना जाता था। इस मेले में दुनिया भर से लाखों तीर्थयात्री आते है, जो अपने पापों को धोने के लिए संगम घाट की पवित्र नदी में डुबकी लगाते हैं। मेले में आने वाले तीर्थयात्रियों को जीवन के विभिन्न क्षेत्रों से आए हजारों लोगों के साथ मिल जुलकर रहना पड़ता है। ऐसे में अपनी सुरक्षा का ध्यान रखने के लिए कुछ एहतियाती उपाय बरतना ज़रूरी है, ताकि दुनिया के इस सबसे भीड़ भरे क्षेत्र में सुरक्षित रह सकें। इसलिए किसी भरोसेमंद हॉस्पिटेलिटी कंपनी जैसे ओयो होटल्स एण्ड होम्स के साथ पहले से अपने स्टे की बुकिंग कर लें, ताकि आपको कुंभ की भीड़ में परेशान न होना पड़े। सफाई का ध्यान रखें, खुले में शौच न जाएं, इधर उधर गंदगी न फैलाएं। कूड़ा डालने के लिए कूड़ादान का इस्तेमाल करें और उन्हीं स्थानों पर नहाएं जिन्हें प्रशासन द्वारा नहाने के लिए तय किया गया है। गंगा नदी को साफ रखने के लिए नदी में साबुन या डिटर्जेन्ट का इस्तेमाल न करें।

॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥
News Letter
A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj
हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

प्रदेश के विभिन्न परीक्षा केन्द्रों पर

एम.बी.ए./एम.सी.ए. की प्रवेश परीक्षा
एवं
योग की संत्राात परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित परीक्षा केन्द्र पर एम.बी.ए. एवं एम.सी.ए. की प्रवेश परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

इस्माइल नेशनल महिला पी.जी. कालेज, मेरठ (परीक्षा केन्द्र '.019) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

श्री महावीर प्रसाद महिला महाविद्यालय, लखनऊ (परीक्षा केन्द्र '.263) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

भारतीय महाविद्यालय, फर्रूखाबाद (परीक्षा केन्द्र '.012) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

बरेली कालेज, बरेली (परीक्षा केन्द्र '.024) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

हिन्दू कालेज, मुरादाबाद (परीक्षा केन्द्र '.030) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

वीरभूमि राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, महोबा (परीक्षा केन्द्र '.090) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

निवाण टाइम्स

नोएडा/ग्रेटर नोएडा

बीएलआईएस एवं एमएलआईएस की प्रायोगिक परीक्षा 13 से

नोएडा। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में पंजीकृत एवं अध्ययनरत लाइब्रेरी साइंस के छात्रों की बीएलआईएस-03 ,बीएलआईएस -04, बीएलआईएस-05 एवं एमएलआईएस- 07 प्रश्न पत्रों की

हिन्दुस्तान

तरक्की को चाहिए नया नजरिया

www.livehindustan.com

बस्ती

हिन्दुस्तान गोरखपुर • सोमवार • 21 जनवरी 2019 02

414 ने दी योग के फर्स्ट सेमेस्टर की परीक्षा

योग शिक्षा

मुक्त चिंतन News Letter

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

24 जनवरी, 2019

पाठ्यक्रम परिचय विषय पर कार्यशाला

दिनांक 24 जनवरी, 2019 को विश्वविद्यालय के अध्ययन केन्द्र काशी नरेश राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय ज्ञानपुर के परिसर में उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के तत्वावधान में पाठ्यक्रम–परिचय उपयोगिता व संभावनाएं विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता प्रो0 आर0पी0एस0 यादव, निदेशक, मानविकी विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद रहे तथा अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पी.एन. डोंगरे ने की। अतिथियों का स्वागत अध्ययन केन्द्रों के समन्वयक डॉ. शिव प्रकाश मिश्र द्वारा किया गया। कार्यशाला में विश्वविद्यालय की कार्य प्रणाली एवं कार्य योजना के बारे में भी जानकारी दी गयी।

इस अवसर पर कालेजों के पाचार्य, शिक्षक, कर्मचारी, छात्रा एवं छात्राायें आदि उपस्थित थे।

महाविद्यालय को सूचना विवरणिका की प्रति प्रदान करते हुए प्रो. आर.पी.एस. यादव

अपने विचार व्यक्त करते हुए प्रो. आर.पी.एस. यादव

गुणवत्तापूर्ण व रोजगार परक शिक्षा देना मुख्य मकसद

जागरण संवाददाता, ज्ञानपुर (भदोही) : कोई भी, कहीं व कभी भी की परिकल्पना पर वर्ष पर्यंत प्रवेश व शिक्षा देने के लिए उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय कृत संकल्पित है। साथ ही शिक्षार्थियों को गुणवत्तापूर्ण एवं रोजगार परक शिक्षा प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयत्नशील भी है। काशी नरेश राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय ज्ञानपुर में स्थित विश्वविद्यालय के अध्ययन केंद्र में आयोजित परिचय सभा में मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के प्रयागराज के प्रवेश प्रभारी प्रो. आरपीएस यादव ने यह बातें कहीं। साथ ही संचालित पाठ्यक्रमों की विस्तार से जानकारी दी।

बताया कि वर्तमान समय में एक हजार से अधिक अध्ययन केंद्रों पर 107 पाठ्यक्रम संचालित हैं। विश्वविद्यालय के कुल सचिव डा. राजेश पांडेय ने कार्यशाला के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। कहा कि शिक्षार्थियों की सुविधा के लिए विश्वविद्यालय अध्ययन केंद्र, कार्यक्रम, विषय एवं परीक्षा केंद्र परिवर्तन की शिथिलता भी प्रदान करता है। क्षेत्रीय समन्वयक डा. सीके सिंह ने क्षेत्रीय केंद्र की भूमिका पर प्रकाश डाला। इसी तरह कार्यशाला में आए डा. शिवनरेश मिश्र, महाविद्यालय के प्राचार्य डा. पीएन डोंगरे ने कहा कि परंपरागत प्रणाली में प्रवेश न ले पाने वाले छात्रों सहित घरेलू महिलाएं, सरकारी, अर्धसरकारी व अन्य संस्थानों में सेवारत व्यक्तियों को उच्च शिक्षा लेने का यह केंद्र सशक्त माध्यम है। कानरा महाविद्यालय में बने केंद्र के समन्वयक डा. श्रीप्रकाश मिश्र, डा. नवीन कुमार ने अतिथियों का स्वागत करते हुए केंद्र पर संचालित पाठ्यक्रम व सुविधाओं की विस्तार से जानकारी दी।

उम्र बंधन नहीं, कहीं भी कभी भी करें पढ़ाई

केएनपीजी में कार्यशाला का आयोजन

अमर उजाला ब्यूरो

ज्ञानपुर। केएनपीजी कॉलेज में बृहस्पतिवार को प्रयागराज राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम परिचय की कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें विश्वविद्यालय की संचालित पाठ्यक्रमों पर विस्तार से चर्चा की गई।

मुक्त विश्वविद्यालय के प्रवेश प्रभारी प्रो. आरपीएस यादव ने कहा कि उम्र बंधन नहीं कोई भी, कहीं भी और कभी भी पढ़ाई कर सके इस परिकल्पना पर राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय वर्ष पर्यंत प्रवेश देने के लिए संकल्पित है। जहां एक हजार से ज्यादा अध्ययन केंद्रों पर सौ से ज्यादा पाठ्यक्रमों का संचालन हो रहा है। विश्वविद्यालय के उप कुलसचिव डॉ. राजेश पांडेय ने कहा कि दूरस्थ प्रणाली के माध्यम से उच्च शिक्षा का प्रचार-प्रसार करना कार्यशाला मुख्य उदेश्य है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पीएन डोंगरे ने कहा दूरस्थ शिक्षा प्रणाली के जरिए गृहणी से लेकर नौकरी पेशा वालों के लिए मील का पत्थर साबित हो रहा है। सहजनवा के पूर्व प्राचार्य डॉ. शिव नरेश मिश्र ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय में अध्ययन के लिए उम्र और स्थान का कोई बंधन नहीं होता है। इस मौके पर डॉ. श्रीप्रकाश मिश्रा, डॉ. नवीन कुमार और मुक्त विश्वविद्यालय समेत महाविद्यालय के तमाम शिक्षक मौजूद रहे।

मुक्त चिंतन News Letter

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

25 जनवरी, 2019

मुविवि में राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर शपथ

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के गंगा परिसर स्थित झण्डारोहण स्थल पर दिनांक 25 जनवरी, 2019 को पूर्वाह्न 11.00 बजे राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर मा0 कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह के मार्गदर्शन में मतदाता शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ0 अरूण कुमार गुप्ता ने बताया कि इस अवसर पर भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार राष्ट्रीय मतदाता दिवस के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय के समस्त निदेशकों, अधिकारियों, परामर्शदाताओं, शिक्षकों एवं कर्मचारियों को मतदाता शपथ दिलायी गयी। उन्होंने बताया कि 25 जनवरी को पूरे देश में राष्ट्रीय मतदाता दिवस का पूरे उत्साह के साथ आयोजन वर्ष 2011 से किया जा रहा है।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर मा0 कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह एवं विश्वविद्यालय के समस्त निदेशक, अधिकारी, परामर्शदाता, शिक्षक एवं कर्मचारी मतदाता शपथ लेते हुए।

मुक्त चिंतन News Letter

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

गणतन्त्र दिवस समारोह

दिनाँक 26 जनवरी, 2019 को विश्वविद्यालय में गणतन्त्र दिवस समारोह आयोजित किया गया। जिसमें माननीय कुलपति जी, अधिकारी, निदेशक, अध्यापकगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित हुए।

ध्वजा रोहण के लिए जाते हुए माननीय कुलपति, प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

राष्ट्रगान के समय उपस्थित विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

लोकतंत्र देश की सबसे बड़ी उपलब्धि– प्रो. के.एन. सिंह

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में गणतंत्र दिवस के अवसर पर 26 जनवरी 2019 को कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आजादी के बाद इस देश की सबसे बड़ी उपलब्धि लोकतंत्र है। लोकतंत्र के सामने आज जातिवाद, भाषावाद, क्षेत्रवाद तथा सम्प्रदायवाद के खतरे मंडरा रहे हैं। इन सबसे दूर रहते हुए हमें स्वस्थ लोकतांत्रिक मूल्यों का विकास करने की आवश्यकता है। लोकतंत्र को और मजबूत करने की आवश्यकता है। स्वस्थ लोकतंत्र से ही राष्ट्र के स्वस्थ होने की कामना कर सकते हैं। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिकारी, शिक्षक, कर्मचारी एवं परामर्शदाता आदि उपस्थित रहे।

गणतन्त्र दिवस समारोह के अवसर पर विश्वविद्यालय परिवार के साथ मा0 कुलपति जी

मुविवि के क्षेत्रीय केन्द्रों पर गणतन्त्र दिवस समारोह

दिनाँक 26 जनवरी, 2019 को विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्रों पर गणतन्त्र दिवस समारोह आयोजित किया गया। जिसमें क्षेत्रीय केन्द्र के निदेशक एवं कर्मचारीगण उपस्थित हुए।

गणतन्त्र दिवस समारोह के अवसर पर विश्वविद्यालय परिवार के साथ मा0 कुलपति जी

मुक्त विश्व विद्यालय-इलाहाबाद

गणतंत्र दिवस के अवसर पर उपस्थित क्षेत्रीय केन्द्र अयोध्या के क्षेत्रीय केन्द्र निदेशक, कर्मचारीगण एवं गणमान्य नागरिक

क्षेत्रीय केन्द्र गोरखपुर

गणतंत्र दिवस के अवसर पर उपस्थित क्षेत्रीय केन्द्र गोरखपुर के क्षेत्रीय केन्द्र निदेशक एवं कर्मचारीगण

क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ

गणतंत्र दिवस के अवसर पर उपस्थित क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ की क्षेत्रीय केन्द्र की निदेशिका एवं कर्मचारीगण

क्षेत्रीय केन्द्र बरेली

क्षेत्रीय केन्द्र

मुक्त चिंतन News Letter

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

विश्वविद्यालय के विभिन्न परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

राम स्वरूप ग्राम उद्योग स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कानपुर देहात (परीक्षा केन्द्र :223) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

सत्य नारायण उच्च शिक्षा संस्थान, श्रावस्ती (परीक्षा केन्द्र ं.1327) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

नेहरू महाविद्यालय, ललितपुर (परीक्षा केन्द्र ं.538) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

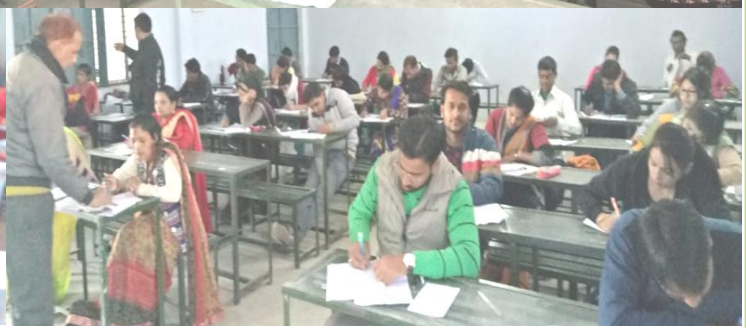

बिपिन बिहारी पी.जी. कालेज, झाँसी (परीक्षा केन्द्र ं.041) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

मुक्त चिंतन News Letter

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

सर्वसमावेशी संस्कृति कुंभ का किया गया आयोजन, मंच से उठी राम मंदिर निर्माण की बात

सर्वसमावेशी संस्कृति कुंभ

संग

प्रदेश सरकार, उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त की ओर से बुधवार को कुंभ क्षेत्र में सर्व समावेशी कुंभ का आयोजन किया गया। परेड ग्राउंड में आयोजित कार्यक्रम में संतों एवं वक्ताओं ने कुंभ की संस्कृति को दूर-दूर तक पहुंचाने के लिए सरकार के प्रयास की सराहना की। कहा कि संतों के उपदेश और संदेश को महत्व दिया जाए। मंच से राम मंदिर निर्माण की बात भी उठाई गई।

सर्व समावेशी कुंभ के मंच से परमार्थ निकेतन के स्वामी चिदानंद मुनि ने कहा कि इस आयोजन में संस्कार एवं दर्शन का समावेश है। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति तालमेल वाली है, घालमेल वाली नहीं। उन्होंने सम्मेलन में मौजूद लोगों से संस्कृति बचाने की अपील की। कहा कि कल्चर बचेगा तो प्रकृति बचेगी और प्रकृति बचेगी तभी देश की संतति बचेगी। प्रयागराज कुंभ से यह संदेश पूरे विश्व में जाना चाहिए। आरएसएस के बारे में

ए

सर्व समावेशी संस्कृति कुंभ में शामिल हुए स्वामी चिदानंद, कहा- भारत एक बाजार नहीं, भारत एक परिवार है

एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन सर्व समावेशी संस्कृति कुंभ में परमार्थ निकेतन के परमाध्यक्ष स्वामी चिदानंद

एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन सर्व समावेशी संस्कृति कुंभ में परमार्थ निकेतन के परमाध्यक्ष स्वामी चिदानंद सरस्वती ने सहभाग किया। इस अवसर पर स्वामी चिदानंद ने कहा कि यह सर्वसामवेशी संस्कृति कुंभ है। सच माने तो कुंभ में यह एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन हो रहा है लेकिन हमारे देश की हमारे राष्ट्र की यही तो पहचान है। दिव्य और भव्य कुंभ से इस सोच का ही विस्तार हो यही है संगम यही है अमृत। यह सोच हमें अपने ऋषियों ने दी थी। ऋषियों ने स्वयं पते खाकर हमें जीवन का पता बताया तथा जीवन में अपनी सोच को परिशोधित करने का मौका दिया। उन्होंने अपने लिए नहीं बल्कि अपनो के लिए जीने का संदेश दिया

सच माने तो कुंभ में यह एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन हो रहा है लेकिन हमारे देश की, हमारे राष्ट्र की यही तो पहचान है। दिव्य और भव्य कुंभ से इस सोच का ही विस्तार हो यही है संगम यही है अमृत। यह सोच हमें अपने ऋषियों ने दी थी।

ऋषियों ने स्वयं पत्ते खाकर हमें जीवन का पता बताया तथा जीवन में अपनी सोच को परिशोधित करने का मौका दिया। उन्होंने अपने लिए नहीं बल्कि अपनो के लिए जीने का संदेश दिया और उन अपनों में वसुधैव कुटुंबकम की संस्कृति, विश्व एक परिवार की संस्कृति समाहित है, इसका संदेश दिया। भारत एक बाजार नहीं, भारत एक परिवार है। कहा कि संगम के तट पर संकल्प कराया कि पानी है तो प्रयाग है इसलिये आईए पानी के लिए अपनी जवानी को लगाए।

अमृत कुम्भ के अवसर पर अमृत मंथन का यह कुंभ हमें आत्ममंथन की ओर ले जाएं। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ

सर्व समावेशी संस्कृति कुंभ

गंगा पंडाल में आयोजित सर्वसमावेशी संस्कृति कुम्भ को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह भैयाजी जोशी ने कहा कि यह आयोजन भविष्य के भारत की तैयारी है। उन्होने कहा कि कुंभ का आयोजन किसी सम्प्रदाय विशेष से जुड़ा नहीं होता है। यह परंपरा सनातन काल से किया जा रहा हिन्द्रू संस्कृति का प्रयास है। अलग –अलग साधना पद्धतियों के बावजूद विविधताओं में एकात्मता का दर्शन होता है। लेकिन कुछ शक्तियों ने इसे खंडित करने का प्रयास किया।

जूना पीठाधीश्वर अवधेशानंद ने कहा की चैतन्य ही ईश्वर है और ब्रह्मांड में रहने वाला उस ईश्वर के अस्तित्व को महसूस करता है। हिंदुत्व को नर से नारायण तक चलने वाली यात्रा की खोज करने वाला धर्म बताते हुए भारतीय मनीषियों के विश्व कल्याण संबंधी कल्पना और प्रयास के अनेक उदाहरण दिए। उन्होने कहा कि विश्व को बाजार के रूप में देखने वालों को भारतीय मनीषियों के बताए परस्पर सहयोग रूपी मार्ग पर चलने का सुझाव भी दिया।

प्रयागराज से विश्वगुरु बनने की यात्रा प्रारम्भ होगी

परमार्थ निकेतन के संरक्षक चिदानंद स्वामी ने कहा प्रयागराज की धरती धर्म की धरती है, यह जीवन की धरती है,उन्होंने कहा की प्रयागराज से विश्वगुरु बनने की यात्रा प्रारम्भ हो रही है। प्रयाग से राष्ट्र रक्षा के साथ प्रकृति की रक्षा का भी प्रारंभ हो रहा है यहां गंगा यमुना में जल है तो जीवन है, जल है संगम है, जल है तो कुंभ है, उन्होंने प्रकृति को बचाने का आह्वान किया । साथ ही चिदानंद ने कहा कि हम इस आयोजन के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और योगी आदित्यनाथ का आभार व्यक्त करते हैं ।

ब्रम्ह से सारे ब्रम्हांड का सृजन

योग गुरू स्वामी राम देव ने कहा की भारत विश्व का नेतृत्व करेगा। उन्होंने कहा की हम एकता के उपासक हैं। ब्रम्ह से सारे ब्रम्हांड का सृजन हुआ है। यहां राम मंदिर बने शिव मंदिर बने कृष्ण मंदिर बने ऐसी हमारी प्रार्थना है। वहीं संत प्रियंवदा ने कहा कि श्री राम मंदिर निर्माण में रोड़े अटकाने वाले लोग कभी भी खुश नहीं रह सकते। राम मंदिर निर्माण जगत जननी माता सीता और भगवान श्री राम स्वयं मांग कर रहे हैं और प्रयाग की धरती से राम मंदिर निर्माण का उद्घोष उसकी पूर्णता तक जाएगा।

सतपाल महाराज ने कहा कि समावेशी कुंभ से कुंभ के अस्तित्व को बचाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि नदियों को स्वच्छ बनाना होगा। नदियां रहेंगी तभी हमारा अस्तित्व रहेगा । साथ ही उन्होंने कहा कि श्री राम मंदिर निर्माण में कोई भी शक्ति बाधा उत्पन्न नहीं कर सकती है यह हमारी भावना से जुडी है।

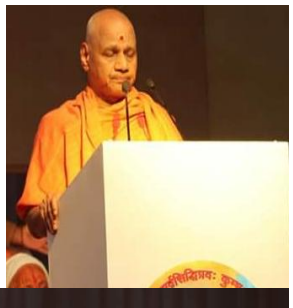

महानगर
वर्ष 23 | अंक 226 | पृष्ठ : 18
मूल्य : पांच रुपये

अमर उजाला

प्रयागराज
बृहस्पतिवार, 31 जनवरी 2019

amarujala.com | स्पोर्ट्स | भारत और न्यूजीलैंड के बीच चौथा वनडे आज सुबह 7:30 बजे से ...14 | उत्तर प्रदेश

जीत का चौका लगाने उतरेगी 'युवा टीम' पेज 16 | एक फरवरी से चैनल बंद नहीं होंगे पेज 17

हिन्दुस्तान

तरक्की को चाहिए नया नजरिया

www.livehindustan.com

अमृत कुम्भ — हिन्दुस्तान 05

राजर्षि टंडन मुविवि की ओर से गंगा पंडाल में हुआ आयोजन, भैया जी जोशी, रामदेव, अवधेशानंद सहित कई संतों ने रखे विचार

धर्म भले ही अलग, हम और हमारा राष्ट्र एक

संस्कृति कुम्भ

प्रयागराज | निज संवाददाता

देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने के लिए बुधवार को राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की ओर से कुम्भ

चिदानंद सरस्वती ने कहा कि कुम्भ में दिशा मिलती है लेकिन सर्वसमावेशी संस्कृति कुम्भ की सोच ने कुम्भ को नई दिशा दी है। स्वामी वासुदेवानंद सरस्वती ने कहा कि पूजा पद्धति और साहित्य अनेक हैं किन्तु सम्पूर्ण दुनिया के सुख की कामना केवल भारतीय संस्कृति में

दैनिक जागरण

कुंभ 2019 प्रयागराज

एकता का संदेश दे रहा हिंदुत्व व सनातन धर्म

यूपीआरटीयू के सर्व समावेशी सांस्कृतिक कुंभ में जुटे संत और समाजसेवी

उ.प्र.राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सर्वसमावेशी संस्कृति कुम्भ के आयोजन की कवरेज लाइव टुडे न्यूज चैनल पर।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय,उत्तर प्रदेश सरकार तथा कुम्भ मेला प्राधिकरण के सौजन्य से सर्व समावेशी संस्कृति वैचारिक कुम्भ का आयोजन गंगा पांडाल , परेड ग्राउंड, प्रयागराज में संपन्न हुआ

News Letter

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

मुविवि के दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर का उद्घाटन

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज का कुम्भ मेला क्षेत्रा में दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर का उद्घाटन कार्यक्रम दिनांक 31 जनवरी, 2019 को सेक्टर–6 बजरंग दास मार्ग पर आयोजित हुआ जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में दिव्य प्रेम सेवा मिशन के संस्थापक श्री आशीष गौतम रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के मा0 कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने किया।

मुख्य अतिथि श्री आशीष जी का सम्मान कुलपति प्रो0 सिंह ने किया। दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर के प्रभारी डॉ0 अनिल कुमार सिंह भदौरिया ने शिविर मे होने वाली गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। अतिथियों का स्वागत डॉ0 प्रभात चन्द्र मिश्र ने किया। मानविकी विद्याशाखा के निदेशक डॉ0 आर0पी0एस0 यादव ने विषय प्रवर्तन किया। ध्न्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डॉ0 अरूण कुमार गुप्त ने किया। इस अवसर पर प्रो0 ओमजी गुप्त, प्रो0 पी0पी0दुबे प्रो0 आर0पी0एस0 यादव, प्रो0 जी0एस0 शुक्ला, प्रो0 पी0के0 पाण्डेय, प्रो0 सुधान्शु त्रिापाठी, डॉ0 अनिल कुमार सिंह भदौरिया डॉ0 अभिषेक सिंह एवं डॉ0 प्रभात चन्द्र मिश्र आदि उपस्थित रहे।

दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर मे होने वाली गतिविधियों के बारे में जानकारी देते हुए दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर के प्रभारी डा0 अनिल कुमार सिंह भदौरिया एवं
दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए मा0 अतिथिगण।

मुख्य अतिथि श्री आशीष गौतम जी को पुष्पगुच्छ प्रदान कर स्वागत करते हुए डॉ0 प्रभात चन्द्र मिश्रा एवं मा0 कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी को पुष्पगुच्छ प्रदान कर स्वागत करते हुए डॉ0 अभिषेक सिंह।

कुलसचिव डॉ0 ए.के. गुप्ता को पुष्पगुच्छ प्रदान कर स्वागत करते
स्वागत करते हुए डॉ0 अमिज सिंह।

विषय प्रवर्तन करते हुए मानविकी विद्याशाखा के निदेशक डॉ0 आर0पी0एस0 यादव

श्री आशीष जी

कुम्भ ज्ञान विज्ञान का केन्द्र – आशीष

मुख्य अतिथि श्री आशीष जी ने कहा कि कुम्भ क्षेत्रा में स्थित मुक्त विश्वविद्यालय का यह शिविर समाज में जनचेतना जागृत करेगा। कुम्भ ज्ञान विज्ञान का केन्द्र है। ज्ञान विज्ञान की परम्परा को आगे बढ़ाने में ऋषि मुनियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। कुम्भ की भूमि इन्हीं ऋषियों से भरी पड़ी है।

मुख्य अतिथि श्री आशीष जी को अंगवस्त्रा एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित करते हुए मा0 कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी।

प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

अध्यक्षता करते हुये मा0 कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय का यह शिविर मेला क्षेत्रा में आने वाले स्नानार्थियों के लिए विशेष जागरूकता शिविर का आयोजन करेगा। विश्वविद्यालय के शैक्षणिक कार्यक्रमों को जन जन से अवगत कराने के लिये विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। जागरूकता शिविर में लगी प्रदर्शनी की सराहना करते हुये उन्होंने कहा कि इसका लाभ सभी लोगों तक पहुंचे।

ध्न्यवाद ज्ञापन करते हुए कुलसचिव डॉ0 अरूण कुमार गुप्त

दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर के उद्घाटन कार्यक्रम की कुछ चित्रा

जनसंदेश टाइम्स

परख सच की

नया भारत बनाने में जुटी मोदी सरकार - 15

आस्था का कुंभ

3

कुम्भ ज्ञान विज्ञान का केन्द्र : आशीष

मुविवि के दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर का उद्घाटन करते हुए

प्रयागराज। उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज का कुम्भ मेला क्षेत्र में दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर का उद्घाटन गुरूवार को सेक्टर-6 बजरंग दास मार्ग पर मुख्य अतिथि दिव्य प्रेम सेवा मिशन के संस्थापक आशीष गौतम ने किया। इस अवसर पर श्री आशीष ने कहा कि कुम्भ क्षेत्र में स्थित मुक्त विश्वविद्यालय का यह शिविर समाज में जनचेतना जागृत करेगा। कुम्भ ज्ञान विज्ञान का केन्द्र है। ज्ञान विज्ञान की परम्परा को आगे बढ़ाने में ऋषि मुनियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। कुम्भ की भूमि इन्हीं ऋषियों से भरी पड़ी है।

अध्यक्षता करते हुये कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय का यह शिविर मेला क्षेत्र में आने वाले स्नानार्थियों के लिए विशेष जागरूकता शिविर का आयोजन करेगा। विश्वविद्यालय के शैक्षणिक कार्यक्रमों को जन जन से अवगत कराने के लिये विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। जागरूकता शिविर में लगी प्रदर्शनी की सराहना करते हुये उन्होंने कहा कि इसका लाभ सभी लोगों तक पहुंचे। मुख्य अतिथि श्री आशीष जी का सम्मान कुलपति प्रो0 सिंह ने किया। दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर के प्रभारी डॉ0 अनिल कुमार सिंह भदौरिया ने शिविर मे होने वाली गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। अतिथियों का स्वागत डॉ0 प्रभात चन्द्र मिश्र ने मानविकी विद्याशाखा के निदेशक डॉ0 आर0पी0एस0 यादव ने विषय प्रवर्तन किया। धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डॉ0 अरूण कुमार गुप्त ने किया। इस अवसर पर प्रोफेसर ओमजी गुप्त, प्रो0 पी0पी0दुबे प्रो0 आर0पी0एस0 यादव, प्रो0 जी0एस0 शुक्ला, प्रो0 पी0के0 पाण्डेय, प्रो0 सुधान्शु त्रिपाठी, डॉ0 अनिल कुमार सिंह भदौरिया डॉ0 अभिषेक सिंह एवं डॉ0 प्रभात चन्द्र मिश्र आदि उपस्थित

हिन्दुस्तान

तरक्की को चाहिए नया नजरिया

www.livehindustan.com

अमृत कुम्भ

हिन्दुस्तान 06

कुम्भ मेला के सेटर-6 में यूपीआरटीयू के शिविर का उद्घाटन किया गया। • हिन्दुस्तान

मेला में राजर्षि टंडन मुक्त विवि का शिविर शुरू

प्रयागराग। कुम्भ मेला क्षेत्र के सेक्टर छह में स्थापित राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर का उद्घाटन गुरूवार को दिव्य प्रेम सेवा मिशन के संस्थापक आशीष गौतम ने किया। अध्यक्षता कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने की। शिविर के प्रभारी डॉ. अनिल कुमार सिंह भदौरिया ने शिविर मे होने वाली गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। इस मौके पर डॉ. प्रभात चन्द्र मिश्र, डॉ. आरपीएस यादव, कुलसचिव डॉ. प्रो. ओमजी गुप्त, प्रो. पीपी दुबे आदि उपस्थित थे।

अमर उजाला

न्यूज WINDOW

कुंभ में शुरु हुआ मुक्त विश्वविद्यालय का जागरुकता शिविर

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर की शुरुआत कुंभ मेला क्षेत्र में हो गई है। बृहस्पतिवार को मुख्य अतिथि दिव्य प्रेम सेवा मिशन के संस्थापक आशीष गौतम ने इसका उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि कुंभ ज्ञान विज्ञान का केंद्र है। कुंभ मेला क्षेत्र में स्थित यह शिविर समाज में जनचेतना जागृत करेगा। अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि यह शिविर मेला क्षेत्र में आने वाले स्नानार्थियों के लिए जागरूकता के कार्यक्रम आयोजित करेगा। शिविरर के प्रभारी डॉ. अनिल कुमार सिंह भदौरिया ने शिविर में होने वाली